1

E Content for the student of Patliputra University

Subject - Political Science

Class B.A. (Hons.) Part - I Paper - I

Topic - Modern Political science - Nature & Scope

Dr. Umesh chandra shukla
Associate Prof. Political Sc.
R.R.S. College, Mokama.

वर्तमान समय में राजनीति विज्ञान को पारम्परिक एवं आधुनिक राजनीति विज्ञान में विभाजित कर अध्ययन किया जाता है। पारम्परिक राजनीति विज्ञान का क्षेत्र अध्ययन का विषय वस्तु काफी सीमित था। इसके विपरीत आधुनिक राजनीति विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, विषय वस्तु, अध्ययन की प्रकृति एवं प्रक्रिया काफी व्यापक है। परिभाषा भी इसकी काफी व्यापक दी जाती है तथा अध्ययन के आयाम भी काफी व्यापक हैं। आधुनिक राजनीति विज्ञान राजनीतिक व्यवहार के उन समस्त क्रियाओं, व्यवहारों तथा स्थानों का अध्ययन करता है, जो किसी न किसी रूप में राजनीति को प्रभावित करते हैं या उससे संबद्ध होते हैं।

आधुनिक राजनीति विज्ञान में अध्ययन केवल पुस्तकीय ज्ञान पर आधारित नहीं होता है, बल्कि अनुभव प्रयोगों की वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित होता है। इसमें राजनीतिक सिद्धांत से ज्यादा राजनीतिक व्यवहार पर बल दिया जाता है। यही कारण है कि आधुनिक राजनीति विज्ञान को आनुभविक राजनीति विज्ञान (Empirical Political Science), व्यवहारवादी राजनीति विज्ञान (Behavioural Political Science) भी कहा जाता है।

जहाँ पारम्परिक राजनीति विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र केवल राज्य और सरकार समझा जाता रहा तथा इसकारण परिभाषाएँ भी इन्हीं दोनों के संदर्भ में जाती रही।

आधुनिक राजनीति विज्ञान व्यक्ति को एक सामाजिक प्राणी के साथ राजनीतिक प्राणी मानता है। समाज में व्यवस्था आवश्यक है व्यवस्था के लिए नियम, कानून, लोकाचार, परम्परा की आवश्यकता पड़ती है, जिससे कि समाज व्यवस्थित हो तथा अपने दायित्व का निर्वाह कर सकें। यह सामाजिक व्यवहार के नियंत्रण के लिए आवश्यक है। इसप्रकार आधुनिक राजनीति विज्ञान व्यक्ति की राजनीति क्रियाओं से जुड़ा मानता है। राजनीतिक क्रियाएं शक्ति, प्रभाव और सत्ता पर आधारित होती हैं। व्यक्ति के अन्तःचेतन में शक्ति, प्रभाव और सत्ता के तत्व मौजूद होते हैं। चाहे उसकी स्थिति कुछ भी हो। कोई जरूरी नहीं कि वह राज्य एवं सरकार से ही संबंधित हो। विद्यार्थी, किसान, मजदूर सबों में किसी न किसी रूप में राजनीति के तत्व हैं। आधुनिक राजनीति विज्ञान इस व्यापक संदर्भ में राजनीति को समझने की कोशिश करता है।

<u>परिभाषाएं</u> → इस दृष्टि से राजनीति की आधुनिक परिभाषा देते हुए कहा जा सकता है, "आधुनिक राजनीति विज्ञान उन मानव व्यवहारों का अध्ययन करता है, जो शक्ति, प्रभाव एवं सत्ता से संबंधित हो।" आधुनिक राजनीति विज्ञान का मूलतत्व शक्ति (Power) है। कैटलिन इसे science of power बतलाते हैं। लासवेल ने इसकी स्पष्ट परिभाषा देते हुए लिखा है, "राजनीति विज्ञान एक आनुभविक विषय के रूप में शक्तियों के हिस्सेदारी तथा स्वरूप का अध्ययन करता है।"
"Political science is as an empirical discipline the study of shaping and sharing of power."

इस परिभाषा के व्यापक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए देखा जा सकता है कि शक्ति पर आधारित राजनीतिक क्रिया में हर व्यक्ति शामिल है, केवल वही नहीं जो राजनीतिक पदधारक हैं बल्कि वे भी, जो मत देते हैं, विरोध या समर्थन में वातावरण बनाते हैं। अपने तरह में अपनी बातों को रखकर उसे प्रभावित

करते हैं या उनके नेतृत्व का प्रयास करते हैं। अनुभव यह बतलाता है कि ऐसी प्रक्रियाओं में व्यक्ति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल रहता है। आधुनिक राजनीति विज्ञान इन सबों का अध्ययन करता है।

अध्ययन क्षेत्र

आधुनिक राजनीति विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र काफी व्यापक है, जिसे निम्न रूप में स्पष्ट किया जा सकता है।

(1) राजनीतिक व्यवस्था का अध्ययन – आधुनिक राजनीति विज्ञान राज्य और सरकार का नहीं बल्कि राजनीतिक व्यवस्था का अध्ययन करता है। राजनीतिक व्यवस्था में कई अन्तर्क्रियाएँ विभिन्न संस्थाओं द्वारा होती रहती हैं। ये सब पारस्परिक रूप से आबद्ध होकर राजनीतिक व्यवस्था का कार्य संपादित करते हैं। इनके कार्य एवं सीमायें निश्चित होते हैं। यही शक्तियों का स्वरूप एवं हिस्सेदारी है। आधुनिक राजनीति विज्ञान में एक महत्वपूर्ण अवधारणा राजनीतिक व्यवस्था का है।

(2) शक्ति, प्रभाव एवं सत्ता का अध्ययन – आधुनिक राजनीति विज्ञान के अध्ययन का केन्द्रबिन्दु शक्ति, प्रभाव एवं सत्ता है। इन तीनों से व्यक्ति मनोवैज्ञानिक आधार पर प्रभावित रहता है। इनके विभिन्न रूप, प्रक्रिया तथा प्रभावों का अध्ययन राजनीति विज्ञान करता है।

(3) राजनीतिक प्रक्रिया का अध्ययन – परम्परागत राजनीति विज्ञान में अध्ययन की विषयवस्तु किसी संस्था का संगठन, अधिकार एवं कार्य होता है। आधुनिक राजनीति विज्ञान राजनीतिक प्रक्रिया का अध्ययन करता है। निर्णयों को प्रभावित करने वाले तत्वों का अध्ययन करता है। मतदान व्यवहार, उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया, सरकारी निर्णयों का समर्थन एवं विरोध, राजनीतिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाले अप्रत्यक्ष तत्वों का अध्ययन किया जाता है।

(4) राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन – आधुनिक राजनीति में राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन सिद्धांत पर नहीं बल्कि

वास्तविकता के आधार पर किया जाता है। आधुनिक राजनीति विज्ञान में अध्ययन के क्रम में "चाहिए" (ought) पर नहीं (is) "है" पर बल दिया जाता है। यह आदर्श पर नहीं वास्तविकता पर अध्ययन करता है।

(5) वैज्ञानिक अध्ययन पद्धति – आधुनिक राजनीति विज्ञान की अध्ययन पद्धति वैज्ञानिक है। इसमें साक्षात्कार, प्रश्नावली द्वारा विश्लेषण, साक्षात्कार, आदि पद्धतियों का उपयोग किया जाता है। तुलनात्मक आधार पर निष्कर्ष निकालने का प्रयास किया जाता है।

(6) अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययनों में भी व्यापक दृष्टिकोण – आधुनिक राजनीति विज्ञान में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में भी भिन्न दृष्टिकोण अपनाये जाते हैं। इसमें दो सरकारों के संबंधों, निर्णयों का अध्ययन नहीं रहता है। इसके अतिरिक्त वैयक्तिक, सामाजिक, व्यवहारिक, औद्योगिक कारकों को भी संबंध बनाने की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है। उन तत्वों को भी प्रभावित करने की कोशिश की जाती है जो सरकार के निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट है कि आधुनिक राजनीति विज्ञान एक व्यापक आयाम, अध्ययन क्षेत्र, वैज्ञानिक प्रक्रिया, एक नई दृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है। यह अन्तःअनुशासन विषय के रूप में अपने को स्थापित करने में सफलता प्राप्त किया है। इसमें कई नई अवधारणा विकसित हुई है। अध्ययन क्षेत्र, प्रक्रिया तथा दृष्टिकोण के विकास का क्रम जारी है।